युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
फरवरी, 2014 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

फरवरी मास का चार्ट:
लक्ष्य – वाह! वाह!

इस धरा पर भाग्यवान है वो आत्माएं जिसके गीत स्वयं भगवान गाते हो। सारा समय स्वयं भगवान वाह! बच्चे वाह! कहते हुए नहीं थकते है, क्या वे आत्माएं स्वयं के लिए वाह! वाह! करती हैं? जब हम वाह! वाह! करेंगे तब ही संसार भगवान के बच्चों की वाह! वाह! करेगा।

हे संसार की सर्व श्रेष्ठ आत्माएं, आओ हम अपनी श्रेष्ठता को पहचाने और संसार में भगवान के बच्चों की वाह! वाह! का स्वर गुंजे।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण की धारणा
पहला	वाह! बाबा वाह!
दूसरा	वाह! मैं आत्मा वाह!
तीसरा	वाह! ड्रामा वाह!
चौथा	वाह! मेरा ब्राह्मण परिवार वाह!

मास के 4 सप्ताह में यह पुरुषार्थ करना है। रोज़ रात को अनुभव लिखना है।

❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1.गुड मॉर्निंग - 3.30 2.अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में 3.व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4.ट्रैफिक कन्ट्रोल- 5 5.मुरली क्लास - क्लास में सुनी 6.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7.स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी 8.नुमाशाम का योग- हाँ जी 9. वाह! वाह! - 80%
10.गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. मुख से सदा दूसरी आत्माओ को प्रोत्साहित करें ऐसे ही बोल बोलेंगे।
2. हर कर्म बाप की याद में रह यादगार बनायेंगे।

❖ अभ्यास: कुछ भी हो उसमें अच्छाई देखकर वाह! वाह! करना है।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंटस लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह ज़रूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. बाबा ने मुझे कोटों में से पसंद किया है।	16. मैं आत्मा ड्रामा की पटरी पर चलने वाली हूँ।
2. बाबा की नज़र से मैं आत्मा निहाल हूँ।	17. मुझ आत्मा के लिए हर सिन कल्याणकारी है।
3. बाबा ने मुझे मरजीवा जन्म दिया है।	18. मैं आत्मा अचल अड़ोल हूँ।
4. बाबा ने मुझे पथ्थर से पारस बना दिया है।	19. मैं आत्मा एकरस स्थिति में स्थित रहने वाली हूँ।
5. बाबा ने मुझे कमल पुष्प समान बना दिया है।	20. मैं आत्मा हीरो पार्टधारी हूँ।
6. बाबा ने मुझे सद्गति दाता बना दिया है।	21. मैं आत्मा सर्व से सन्तुष्ट हूँ।
7. बाबा ने मुझे स्वर्ग का मालिक बना दिया है।	22 मेरा परिवार श्रेष्ठ तकदीरवानों का परिवार है।
8. मैं आत्मा विश्व की तकदीर हूँ।	23. मेरा परिवार पुण्य का काम करने वाले ब्राह्मणों का है।
9. मैं आत्मा बाप का सिरताज हूँ।	24. मेरा परिवार भगवान के साथ पार्ट बजाने वाला है।
10. मैं आत्मा सिद्धि स्वरुप हूँ।	25. मेरा परिवार नि:स्वार्थ और निष्काम सेवाधारियों का है।
11. मैं आत्मा अखण्ड सौभाग्यशाली हूँ।	26. मेरा परिवार विश्व नव निर्माण कर्ता है।
12. मैं आत्मा सर्व शक्तिवान की छत्रछाया में हूँ।	27. मेरा परिवार सदा ऊँची स्थिति में रहने वाला है।
13. मैं आत्मा मास्टर भगवान हूँ।	28. मेरा परिवार असम्भव को सम्भव करने वाला है।
14. मैं आत्मा सम्पूर्ण अनासक्त हूँ।	29. मेरा परिवार सर्व श्रेष्ठ आत्माओं का है।
15. मैं आत्मा साक्षी दृष्टा हूँ।	30. मेरा परिवार ईश्वरीय परिवार है।
	31. मेरा परिवार सर्व श्रेष्ठ ब्राह्मणों का है।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम:_____ सेन्टर का नाम:_____ DiDar No:_____

गुड मॉर्निंग-90% **अमृतवेला-75%**

व्यायाम/पैदल-80% **ट्रैफिक कन्ट्रोल-90%**

मुरली क्लास-90% **नुमाशाम का योग-80%**

स्वमान की स्मृति-75% **अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%**

वाह!वाह! -80% **गुड नाइट-95%**

चार्ट: OK या ~~OK~~ **टीचर के हस्ताक्षर**

मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: youthwing@bkivv.org Website: www.bkyouth.org